Fin 19
Project cycle of budget
प्रोजेक्ट के बजेट का चक्र / मार्ग

प्रोजेक्ट के बजट में पहले ‘‘बेसलाईन या नीड असेसमेंट’’ का खर्चा आएगा । उसके बाद कार्यक्रम का खर्चा तय होगा, इसके बाद प्रोजेक्ट पर देखरेख और नियंत्रण का बजट बनेगा इसमें देखरेख, रिपोर्टिंग और मूल्यांकन के लिये पैसे रखने पडेंगे । आखरी में ऑडीट होगा।

किसी भी प्रोजेक्ट में तैयारी, अमल में लाना और विश्लेष्ण ये तीन पडाव आते है । बजट बनाने से संस्था को कितने राशी की जरूरत है इस बारे में समझ आती है । बजट न हो तो कोई भी डोनर डोनेशन देने के लिये तैयार नहीं होता । संस्था ने प्रोजेक्ट का नियोजन ठीक तरीके से किया है या नहीं ये डोनर को बजट देखके पता चलता है । डोनर डोनेशन देने के निर्णय के लिये बजट का इस्तेमाल करते है । संस्था नियोजन, कार्यक्रम अमल में लाना और मूल्यांकन करना इन चीजों के लिये बटेज का इस्तेमाल करती है और पैसा कैसे और किस कार्य के लिये खर्च किया गया है ये देखने के लिये लेखा परीक्षक बजट का इस्तेमाल करते है ।